VCD _____ FYBA / Hindi / Sem – I / Oct – 2019

समय ः ३ घंटे

गुण ः १००

सुचना ः १. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

२. उत्तरपुस्तिका पर प्रश्नक्रमांक लिखीए।

प्र.१. निम्नालिखीत अवतरणो का संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए। १०)

क) "खग-कुल-कुल सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
लो, यह लतिका भी भर लाई,
मधु, मुकुल नवल रस-गागरी!"

अथवा

"विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही
उमडी कल थी, मिट आज चली!"

ख) "यह घोडा तुम्हारा हो चुका है! मैं तुमसे वापस करने के लिए न कहुँगा! परंन्तु खडगसिंह, १०)
केवल एक प्रार्थना करता हूँ! इसे अस्वीकार न करना, नही तो मेरा दिल टुट जायेगा।"

अथवा

"यह समाचार बिजली की तरह सारे शहर में फैल गया! बहुत साल बाद इस शहर से कोई लडका डिप्टी-कलक्टरी के इंटरव्यु के लिए बुलाया गया था! लोगो मे आश्चर्य का ठिकाना न रहा!"

प्र.२. निम्नालिखीत प्रश्नों का सविस्तर उत्तर दीजीए। ३०)

ग) 'जलाओ दिये पर ध्यान रहे इतना' कविता का संदेश लिखीए।

अथवा

'भिक्षुक' कविता में अभिव्यक्त भिक्षुक की दयनीयता को अपने शब्दो में चित्रीत कीजीए।

घ) 'बडे घर की बेटी' कहानी के आधार पर आनंदी का चरित्र वर्णन कीजीए।

अथवा

'पाजेब' कहानी सच्चे बालमन की कहानी है, सिध्द कीजीए।

munotes.in

प्र.३. निम्नालिखीत विषयों पर टिप्पणी कीजीए। १०)

च) 'सिंदुर तिलाकित भाल' कविता का भावार्थ

अथवा

'झॉसी की रानी' कविता की मूल संवेदना

छ) 'मधुलिका' का चरित्र-चित्रण।

अथवा

'कबुतरी' का चरित्र-चित्रण।

प्र.४. निम्नालिखीत प्रश्नों के उत्तर एक- एक वाक्य में लिखीए। १०)

१. 'पुष्प' की क्या अभिलाषा है?

२. किसका अंचल डोल रहा है?

३. नार्गाजुन को क्या याद आते है?

४. 'पाजेब' कहानी के नौकर का नाम क्या है?

५. मधूलिका किसकी कन्या थी?

६. 'अपना गॉव' कहानी के लेखक कौन है?

७. हरिया के बाद घर का मुखीया कौन था?

८. सन सत्तावन मे किसकी तलवार चमक उठी थी?

९. मरने के बाद चिता पर लोग क्या डाल देंगे?

१०. छमिया को पति का क्या नाम था?

प्र.५: अपने प्राचार्य के नाम आकस्मिक अवकाश (छुट्टी) के लिए आवेदन पत्र का नमुना तैयार कीजीए। १०)

अथवा

परिक्षा समय पर न होने के संदर्भ में संपादक के नाम शिकायत पत्र लिखीए।

प्र.६. सूचनानुसार सभी प्रश्नो के उत्तर लिखीए। १०)

अ) निम्नालिखीत वाक्यों को शुद्ध करके लिखीए।

१. सुमीत सुमेधा से बडी है।

२. मैंने मंदिर जाना हैं।

आ) निम्नालिखीत वाक्यों में से संज्ञा शब्द पहचानकर लिखीए।

१. मेरे पास गुलाब है।

२. लाल किला दिल्ली में स्थित है।

munotes.in

इ) निम्नलिखीत वाक्यों में से सर्वनाम शब्द पहचानकर लिखीए।

१. उसने उसे गले लगाया।

२. वह कौन थी?

ई) निम्नलिखीत वाक्यों में से विशेषण शब्द पहचानकर लिखीए।

१. मंत्री महोदय परोपकारी है।

२. फूल रंगीन था।

उ) निम्नलिखीत वाक्यों में से क्रिया शब्द पहचानकर लिखीए!

१. माँ खाना बना रही है।

२. बच्चे स्कूल जा रहे है।

ऊ) निम्नलिखीत गदयांश पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखीए! १०)

-1-

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता या असफलता मिलती है या सुख-दुख आते हैं। कई बार भरसक प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे मजबूर होना पड़ता है कि भाग्य में वही लिखा था। सफलता केवल प्रयत्न और परिश्रम से ही नहीं मिलती। उसके लिए व्यावहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक हैं। काम को बिना समझे, गलत ढंग से, उचट मन से, उद्देश्य की पूरी और स्पष्ट जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जाए, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करने वाले को सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मों के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चुप बैठ जाता है। भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर सफलता के कारण ढूँढ़े जाएँ और पुरुषार्थी बनकर काम वह फिर से करने का संकल्प किया जाए तो असफलता के कारणों से बचने की समझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

प्रश्न :

(1) भाग्यवादी लोग क्या मानते हैं?

(2) सफलता के लिए व्यक्ति में कौन-कौन-से गुण होने चाहिए?

(3) परिश्रम करने पर भी असफल कौन होते हैं?

(4) भाग्यवाद में विश्वास करने का क्या परिणाम होता है?

(५) केवल प्रयत्न और परिश्रम से क्या नही मिलता?

****

- समाप्त -

munotes.in